[This question paper contains 8 printed pages.]

2461 *Your Roll No. ....*

LL.B. / III Term **F**

Paper LB-302 – CODE OF CIVIL PROCEDURE AND LIMITATION ACT

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

Note :– Answers may be written either in English or in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी :– इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेज़ी या हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Attempt **Five** *Questions including Question No. 1 and 06 which is compulsory. Question Paper is divided into two parts, Part A consists of Question relating to Civil Procedure Code and Part - B to Limitation Act.*

अनिवार्य प्रश्न नं. 1 और 6 सहित कुल पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्न पत्र के दो भाग हैं। भाग A में सिविल प्रक्रिया सम्बन्धी प्रश्न हैं और भाग B में परिसीमा अधिनियम सम्बन्धी प्रश्न हैं।

P.T.O.

PART A (भाग A)

1. (a) Explain the principles of res-judicata with the help of decided cases and suitable illustrations. Do you agree with the statement that constructive resjudicata applies to the cases falling under writ jurisdiction.? Support your answers with the help of decided cases. (15)

   (b) Distinguish between a decree and an order. (05)

   (क) विनिश्चित केसों और उपयुक्त दृष्टान्तों की सहायता से पूर्व न्याय के सिद्धान्तों की व्याख्या कीजिए। क्या आप इस कथन से सहमत हैं कि आन्वयिक पूर्व-न्याय रिट क्षेत्राधिकार के अन्तर्गत आने वाले केसों पर लागू होता है? विनिश्चित केसों की सहायता से अपने उत्तर की पुष्टि कीजिए।

   (ख) डिक्री और आदेश के बीच सुभेद को स्पष्ट कीजिए।

2. (a) Can a Court allow amendment of a Plaint just before pronouncement of a decree? Critically examine the scope and stage of pleadings when amendments may be allowed, particularly with reference to amendment of written statements. Support your answers with the help of decided cases. (10)

(b) (i) State the provisions which goverm the determination of the place of suing.

(ii) What is the proper place of suing in following cases?

(a) a suit for damages for infringement of trade mark.

(b) a suit for mesne profits (10)

(क) क्या कोई न्यायालय डिक्री की उद्घोषणा के ठीक पहले वादपत्र में संशोधन की अनुमति दे सकता है? संशोधनों की विशेषतया लिखित वक्तव्यों के संशोधन के सन्दर्भ में जब अनुमति दी जा सकती है तब अभिवचनों की परिव्याप्ति और अवस्था की समीक्षात्मक जांच कीजिए। विनिश्चित केसों की सहायता से अपने उत्तर की पुष्टि कीजिए।

(ख) (i) उन उपबंधों का उल्लेख कीजिए जो वाद लाने के स्थान के अवधारण को अधिशासित करते हैं?

(ii) निम्नलिखित मामलों में वाद लाने का उपयुक्त स्थान क्या है?

(क) व्यापार चिह्न के अतिलंघन हेतु नुकसानी के लिए वाद।

(ख) अन्त:कालीन लाभों के लिए वाद।

3. (a) What are the points of consideration in the matter of granting temporary injunction when it should be granted? Discuss in brief the remedy against an order refusing to grant injunction and the powers of court if an injunction granted by court in disobeyed?

(15)

(b) What can be the grounds for rejection of a plaint.

(5)

(क) अस्थायी व्यादेश कब दिया जाना चाहिए, इसको मंजूर किए जाने के मामले में विचार के क्या बिन्दु होते हैं? व्यादेश की मंजूरी का इनकार करने वाले आदेश के विरुद्ध उपचार और यदि न्यायालय द्वारा मंजूर किए गए व्यादेश की अवज्ञा की जाती है तो न्यायालय की शक्तियों का संक्षेप में विवेचन कीजिए।

(ख) किसी वाद पत्र की अस्वीकृति हेतु क्या आधार हो सकते हैं?

4. (a) What are the consequences of non-appearance of a plaintiff, Defendent or both the Parties, when the suit is called for hearing. Briefly state the respective remedies for dismissal or expante judgment of suit. (10)

(b) Under what circumstances an appellate court may be allowed to produce an additional evidence at the appellate stage? Briefly discuss the relevant provisions and divided cases on this matter.

(क) जब वाद पर सुनवाई की जानी तय हो तब वादी, प्रतिवादी अथवा दोनों पक्षकारों की गैर-हाजिरी के क्या परिणाम होते हैं? वाद की खारिजी अथवा एकपक्षीय निर्णय हेतु अलग-अलग उपचारों का सक्षिप्त उल्लेख कीजिए।

(ख) किसी अपीललीय न्यायालय को अपीलीय अवस्था पर अतिरिक्त साक्ष्य प्रस्तुत करने के लिए किन परिस्थितियों में अनुमति दी जा सकती है? इस मामले में सुसंगत उपबंधों तथा विनिश्चित केसों का संक्षिप्त विवेचन कीजिए।

5. (a) Under what 'circumstances the second appeal would lie to the High Court from a decree passed in first appeal? Support your answer with the help of statutory provisions and decided cases. (10)

(b) Reference, Review and Revisions are various remedies provided under CPC to cater to different situations. Bring out the distinctions between them. (10)

(क) किन परिस्थितियों में पहली अपील में पारित डिक्री से उच्च न्यायालय में दूसरी अपील की जाएगी? कानूनी उपबन्धों और विनिश्चित केसों से अपने उत्तर की पुष्टि कीजिए।

(ख) भिन्न-भिन्न स्थितियों का सामना करने के लिए सिविल प्रक्रिया संहिता के तहत निर्देश, पुनर्विलोकन और पुनरीक्षण नामक विभिन्न उपचार उपबंधित हैं। इनके बीच सुभेद को सुस्पष्ट कीजिए।

PART B (भाग B)

6. (a) "The Law of Limitation extinguishes remedy but does not extinguish rights." Elucidate with the help of relevant provisions and decided case law, the above statement and also explain when a plea of limitation may be raised? (10)

(b) What are the guiding principles for condonation of delay under Section 5 of the Limitation Act, 1963? (10)

(क) "परिसीमा विधि उपचार को निर्वाचित करती है पर अधिकारों को नहीं।" उपयुक्त कथन का सुसंगत उपबंधों और विनिश्चित निर्णय विधि की सहायता ले खुलासा कीजिए तथा स्पष्ट कीजिए परिसीमा की दलील कब दी जा सकती है?

(ख) परिसीमा अधिनियम, 1963 की धारा 5 के अन्तर्गत विलम्ब की माफी हेतु मार्गदर्शक सिद्धान्त क्या है?

7. (a) Describe what is "acknowledgement" under the limitation Act and draw a distinction between acknowledgment made under sec. 18 and 19 of limitation Act and their respective effect on the period of limitation. (10)

(b) What is the effect of addition of a plaintiff or defendent in a pending suit upon the limitation for filing such suit? (10)

(क) वर्णन कीजिए परिसीमा अधिनियम के अन्तर्गत 'अभिस्वीकृति' क्या होती है और परिसीमा अधिनियम की धारा 18 और 19 के तहत की गई अभिस्वीकृतियों के बीच सुभेद को तथा परिसीमा की अवधि पर उनके अलग-अलग प्रभाव को सुस्पष्ट कीजिए।

(ख) किसी लम्बित वाद में वादी या प्रतिवादी के जोड़े जाने का ऐसे वाद को फाइल किए जाने हेतु परिसीमा पर क्या प्रभाव होता है?

8. (a) Examine the effect of fraud or mistake on the period of limitation. (10)

(b) Explain the true scope of the expression "time requisite" in section 12 of the limitation Act 1963. (10)

(क) परिसीमा अवधि पर कपट अथवा त्रुटि के परिणाम की जांच कीजिए।

(ख) परिसीमा अधिनियम, 1963 की धारा 12 में "अपेक्षित समय" अभिव्यक्ति की सही परिव्याप्ति की व्याख्या कीजिए।